प्रकाशन का गौरवाशाली 14वाँ वर्ष

# दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 43 | मूल्य 15 रुपये | 16-22 मार्च, 2025

## देशभर में धूमधाम के साथ मनाया गया रंगों का पर्व

## उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार का काउंटडाउन शुरू

वर्ष 14 | अंक 43

दिव्य हिमगिरि

16-22 मार्च, 2025

**संपादक**
कुँवर राज अस्थाना

**वरिष्ठ संवाददाता**
शंभूनाथ गौतम

**ब्यूरो प्रमुख**
मोनिका डबराल

**विज्ञापन**
पूनम आर्या

**ग्राफिक डिजायनर**
देव भट्ट

**संवाददाता**
**हरिद्वार :** डॉ. रजनीश गौतम
**पौडी :** रत्नमणि भट्ट
**कोटद्वार :** के.पी. बौंठियाल
**रूद्रपुर :** हेमचन्द्र बुडलाकोटी
**चमोली :** मुकेश रावत
**रुड़की :** श्रीगोपाल नारसन
**नैनीताल :** शीतल तिवारी
**अल्मोड़ा :** संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
**विकासनगर :** अजय शर्मा
**प्रसार :** रमेश सिंह रावत

**संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)**
**मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164**
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

# अवैध अप्रवासियों के खिलाफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश में अवैध प्रवासियों को लेकर काफी सख्त हैं। उन्होंने अमेरिका से सटे मैक्सिको बॉर्डर पर नेशनल इमरजेंसी लगा दी है। अमेरिका और मैक्सिको बॉर्डर से अवैध रूप से आने वालों की संख्या सबसे अधिक है। यह बॉर्डर करीब 3000 किलोमीटर में फैला हुआ है जिसके दायरे में 4 अमेरिकी और 6 मैक्सिको के राज्य आते हैं। यह बॉर्डर रेगिस्तान, नदी और पहाड़ों के बीच फैला हुआ है। लेकिन यहां पर पक्की पेट्रोलिंग नहीं है, ना ही कोई दीवार या बाड़ लगाई गई है। ऐसे में घुसपैठियों के लिए यह एक एंट्री पॉइंट है। प्यू रिसर्च के अनुसार अमेरिका में अवैध प्रवासियों की संख्या 1 करोड़ 5 लाख तक है। वहीं अवैध प्रवासियों की अमेरिका में तीसरी सबसे बड़ी आबादी भारतीय है। रिसर्च के अनुसार अमेरिका में लगभग 7,25,000 भारतीय अवैध प्रवासी के रूप में रहते हैं। अवैध अप्रवासियों की समस्या से केवल अमेरिका ही नहीं बल्कि भारत भी जूझ रहा है। भारत में बांग्लादेशियों, रोहिग्याओं समेत अन्य देशों से आने वाली अवैध अप्रवासियों से सुरक्षा की दृष्टि से भारत बहुत दबाव में है। जब पूरे विश्व में अवैध अप्रवासियों की समस्या से निजात पाने के लिए सभी देश कुछ न कुछ उपाय कर रहे हैं तब भारत ने भी अब बिना वीजा के रह रहे विदेशी नागरिकों को कानून के दायरे में लाने एंव सजा देने का फैसला किया है। भारत चार पुराने अधिनियमों को निरस्त कर बन रहा नया अधिनियम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण है। भारत ने अवैध आप्रवासन और विदेशी नागरिकों के आने से संबंधित एक विधेयक लोकसभा में पेश कर स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मुद्दे पर उतना ही गंभीर है, जितना दूसरे देश। आने वाले समय में वह सख्त कदम उठा सकता है। कोई दोराय नहीं कि आंतरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप्रवासन प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में भारत का यह बड़ा निर्णय है। उसने इसके साथ ही दूसरे देशों खासकर पड़ोसियों को संदेश दे दिया है। विधेयक पारित होने के बाद अवैध घुसपैठ रोकने में तो मदद मिलेगी ही, जाली कागजात के जरिए किसी भी राज्य में छिप कर रहने वाले विदेशी नागरिकों पर कड़ा अंकुश लगाया जा सकेगा। भारत में अवैध रूप से रहने से उन्हें हतोत्साहित किया सकेगा। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि किसी को देश में आने से रोकने के लिए यह विधेयक नहीं लाया गया है। स्वाभाविक रूप से हर देश यही चाहता है कि कोई भी विदेशी नागरिक वैध दस्तावेज के साथ आए और नियमों का पालन करे। वैसे भी किसी विदेशी को अपने यहां आने या न आने देना संबंधित देश का संप्रभु अधिकार होता है। भारत में इस समय अवैध आप्रवासियों की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को तो खतरा रहता ही है, इनके कारण बुनियादी सुविधाओं पर भी बोझ बढ़ता है। इससे मूल स्थानीय निवासी प्राय: कई नागरिक सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। यह मुद्दा बार-बार उठता रहा है। इस पर दलगत राजनीति भी होती रही है। मगर यह मसला हमेशा उलझा रहा। अब बिना वीजा के रह रहे विदेशी नागरिकों को कानून के दायरे में लिया जा सकेगा। उन्हें सजा भी दी जा सकेगी। आव्रजन अधिकारियों को अधिक शक्तियां मिलने से तत्काल कार्रवाई हो सकेगी। अवैध आप्रवासियों से निपटना सरकार के लिए आसान हो जाएगा।

**कुँवर राज अस्थाना**

# अव्यवहारिक है खेल विभाग और युवा कल्याण विभाग का एकीकरणः यशपाल आर्या

श्री यशपाल आर्य, नेता प्रतिपक्ष, विधान सभा ने कहा कि राज्य सरकार खेल विभाग और युवा कल्याण विभाग के एकीकरण का प्रस्ताव ला रही है। उन्होंने कहा कि खेल विभाग पूर्णतः तकनीकी विभाग है, जबकि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग गैर तकनीकी विभाग है जिसके कारण इसका पूर्णतः एकीकरण किया जाना संभव नहीं है।

श्री आर्य ने कहा कि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग में भी दो घटक (1) युवा कल्याण एवं ग्रामीण खेलकूद (2) पीआरडी स्वयं सेवक सम्मिलित हैं, जिसके दृष्टिगत खेल विभाग के साथ किया प्रान्तीय रक्षक दल (पीआरडी) विभाग को एकीकृत किया जाना खेलों के विकास एवं खिलाडियों के हित में किसी भी दृष्टि में लाभदायक तथा न्यायोचित नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि खेल विभाग द्वारा मुख्य एवं मात्र खेल गतिविधियों का ही संचालन कराया जाता है जबकि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा अनेकों प्रकार की योजनाएं संचालित क्रियान्वित करायी जाती है, जिसमें ग्रामीण खेलकूद गतिविधियां कुल योजनाओं योजना में 5 प्रतिशत का ही कार्य है, जबकि अन्य सभी योजनाएं 95 प्रतिशत की है, जो खेल गतिविधियों से पूर्णतः इतर है, जिसका खेल से किसी भी प्रकार की कोई समानता नहीं है तथा सरकार द्वारा यदि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग को किसी अन्य विभाग में एकीकृत किया जाना आवश्यक हो तो इस विभाग की योजनाओं गतिविधियों जैसे-पीआरडी स्वयं सेवक सेवायोजन, शान्ति, सुरक्षा फोर्स को मध्यनजर रखते हुए युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग को होमगार्ड अथवा सेवायोजन विभाग के साथ एकीकृत किये जाने पर विचार किया जाना चाहिये।

उन्होंने कहा कि खेल विधा चाहे वो ग्रामीण स्तर पर हो अथवा शहरी स्तर पर एक तकनीकी विधा है जिसके कुशल संचालन हेतु कार्मिकों का तकनीकी रूप से दक्ष होना नितान्त आवश्यक है।

श्री आर्य ने बताया कि खेल संघों का भी कहना है कि खिलाड़ी खेल विशेष में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय खेल संस्थान पटियाला, कोलकाता, बेंगलुरु से कोचिंग डिप्लोमा प्राप्त करते हैं। इसके बाद ही इन्हें प्रशिक्षक के रूप में नियुक्ति प्रदान की जाती है। वहीं, युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की स्थापना स्वयंसेवकों और युवा एवं महिला मंगल दलों को कार्य देने के लिए की गई है। भले ही विभाग ग्राम स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है लेकिन इनके अधिकारियों को खेल के विषय में जानकारी नहीं है। ऐसे में इन अधिकारियों को खेल विभाग में लाने से खिलाडियों के साथ न्याय नहीं किया जा सकता।

श्री आर्य ने कहा कि राज्य के समय से ही उत्तराखण्ड राज्य में खेल प्रतिभा में कमी नहीं रही। समय-समय पर उत्तराखण्ड के खिलाडियों द्वारा ओलम्पिक विश्वस्तरीय तथा राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन किया गया है। एकीकरण करने में गैर तकनीकी कार्मिकों के द्वारा तकनीकी कार्य संपादित कराये जाने से राज्य की प्रतिष्ठा प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी। राज्य गठन के उपरान्त खेल विभाग प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा जो उपलब्धियां प्राप्त की गयी है। खेलकूद तथा युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग का एकीकरण वैधानिक रूप से भी उचित नहीं होगा इसीलिए महत्वपूर्ण विषय के दृष्टिगत प्रदेश में खेल एवं खिलाड़ियों के सम्पूर्ण विकास के लिये एवं खेल के अस्तित्व एवं खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने जैसा कि पूर्व में था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार को खेल विभाग एवं युवा कल्याण विभाग तथा प्रांतीय रक्षक विभाग को पूर्व की भांति अलग-अलग ही रहने देना चाहिए क्योंकि सभी के कार्य अलग-अलग हैं और रूपरेखा भी अलग-अलग है। दोनों के विलय से खेल विभाग अपने उद्देश्यों की पूर्ति से दूर होता जाएगा।

# उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार का काउंटडाउन शुरू

## दिल्ली में सीएम धामी की नई टीम के नाम तय

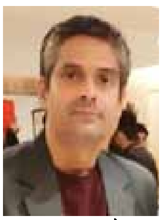

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

**मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पिछले एक पखवाड़े में दो बार दिल्ली का दौरा भी कर चुके हैं। दिल्ली भाजपा हाईकमान ने कौन-कौन नया मंत्री बनेगा और किस मंत्री की छुट्टी होगी फाइनल कर दिया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी महीने शपथ ग्रहण समारोह भी हो सकता है। छह मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट अचानक दिल्ली पहुंचे। दिल्ली में मुख्यमंत्री धामी ने कई कैबिनेट मंत्री और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी से मुलाकात की। इस मौके पर महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार होने जा रहा है। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में दो साल से भी कम समय रह गया है। ऐसे में पूरी संभावना है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर धामी सरकार का नया मंत्रिमंडल होगा। धामी कैबिनेट में चार कुर्सियां लंबे समय से खाली हैं।**

उत्तराखंड में धामी सरकार ने पहले समान नागरिक संहिता उसके बाद भू-कानून लागू कर दिया है। होली का त्योहार भी समाप्त हो चुका है। अब बारी मंत्रिमंडल विस्तार की है। कैबिनेट विस्तार के लिए स्टेज सजने लगी है। कौन-कौन नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल होंगे दिल्ली ने तय कर दिया है। अब धामी सरकार की नई टीम कैसी होगी पर्दा उठने के लिए तैयार है। धामी कैबिनेट में चार कुर्सियां लंबे समय से खाली हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव होने में दो साल से भी कम समय रह गया है। ऐसे में पूरी संभावना है कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए जातीय और क्षेत्रीय समीकरण ों के आधार पर धामी सरकार का नया मंत्रिमंडल होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पिछले एक पखवाड़े में दो बार दिल्ली का दौरा भी कर चुके हैं। दिल्ली भाजपा हाईकमान ने कौन-कौन नया मंत्री बनेगा और किस मंत्री की छुट्टी होगी फाइनल कर दिया गया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि इसी महीने शपथ ग्रहण समारोह भी हो सकता है। छह मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट अचानक दिल्ली पहुंचे। दिल्ली में मुख्यमंत्री धामी ने कई कैबिनेट मंत्री और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी से मुलाकात की। इस मौके पर महेंद्र भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार होने जा रहा है। उन्होंने साफ किया था कि वो प्रदेश के वर्तमान हालत की रिपोर्ट दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय हाईकमान को भेज चुके हैं। कैबिनेट विस्तार कभी भी हो सकता है।हालांकि महेंद्र भट्ट का कहना है कि गेंद केंद्रीय नेतृत्व के पाले में है। उत्तराखंड में कैबिनेट विस्तार को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चा चल रही है। चर्चाएं है कि कैबिनेट विस्तार ही नहीं बल्कि दो से तीन मंत्रियों की कैबिनेट से छुट्टी भी हो सकती है। ऐसे में कैबिनेट के फेरबदल की संभावनाएं ज्यादा बढ़ गई है। वहीं भाजपा संगठन ने भी कैबिनेट में फेरबदल के संकेत दिए हैं। चर्चाएं है कि कैबिनेट विस्तार ही नहीं बल्कि दो से तीन मंत्रियों की कैबिनेट से छुट्टी भी हो सकती है। ऐसे में कैबिनेट के फेरबदल की संभावनाएं ज्यादा बढ़ गई है।

**वर्तमान में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा मंत्रिमंडल में सात मंत्री**

वर्ष 2022 में जब पुष्कर सिंह धामी ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाला, उस समय तीन मंत्री पद रिक्त रखे गए। बाद में कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास के निधन से एक स्थान और खाली हो गया। वर्तमान में मुख्यमंत्री के अलावा कुल सात मंत्री हैं। कई बार चर्चाओं के बावजूद अलग-अलग कारण ों से मंत्रिमंडल विस्तार टलता आ रहा है। इस बीच हालिया बजट सत्र में कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल का नाम एक विवाद से जुड़ा तो राजनीतिक माहौल गर्मा गया। परफॉरमेंस के आधार पर एक कैबिनेट मंत्री को बदले जाने की चर्चाएं सत्ता के गलियारों में लंबे समय से गर्म हैं। प्रेमचंद अग्रवाल की कुर्सी जाने की चर्चाओं के बीच वित्त मंत्री को प्राकृतिक आपदाओं के मामले में राजस्व जुटाने के लिए मंत्रीसमूह (जीओएम) में सदस्य नामित किया

# मंत्रिमंडल विस्तार के बाद उत्तराखंड में भाजपा को मिल सकता है नया प्रदेश अध्यक्ष

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी को नया प्रदेश अध्यक्ष भी मिल सकता है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। महेंद्र भट्ट राज्यसभा के सदस्य हैं और वर्तमान में पार्टी की बागडोर संभाल रहे हैं। उत्तराखंड में निकाय चुनाव और दिल्ली विधानसभा चुनावों के चलते संगठन चुनाव प्रक्रिया लंबित थी, लेकिन अब पार्टी इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर रही है। भाजपा के संविधान के अनुसार, जब राज्यों में संगठन चुनाव की 50 फीसदी प्रक्रिया पूरी हो जाती है, तब राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। भाजपा के भीतर इस बात की चर्चा जोरों पर है कि महेंद्र भट्ट दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बन सकते हैं या फिर किसी नए चेहरे को यह जिम्मेदारी दी जाएगी। पार्टी नेतृत्व जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला ले सकता है। भविष्य की रणनीति को देखते हुए भाजपा यह फैसला करेगी कि प्रदेश की कमान किसे सौंपी जाए। अभी केंद्रीय नेतृत्व ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख तय नहीं की है। संगठन नेताओं का मानना है कि होली के बाद भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष के नाम की भी घोषणा हो जाएगी। अगले कुछ हफ्तों में भाजपा के भीतर इस मुद्दे पर निर्णायक चर्चा होगी, जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का नाम तय होगा।

गया है। स्पीकर ऋतु खंडूड़ी भी प्रेमचंद प्रकरण में काफी ट्रोल हुई। स्पीकर के बजाय यदि हाईकमान उन्हें मंत्रिमंडल में एडजस्ट करता है तो किसी वरिष्ठ विधायक को स्पीकर की जिम्मेदारी मिल सकती है। इनमें बंशीधर भगत और विशन सिंह चुफाल दावेदार बताए जा रहे हैं। विधायक मुन्ना चौहान, सहदेव पुंडीर, विनोद कंडारी भी दावेदारों में हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इससे पहले भी मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया था। उन्होंने गृह, सूचना, राजस्व सहित 21 विभाग खुद के पास रखे हैं। वहीं, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल को वित्त मंत्रालय, सतपाल महाराज को पर्यटन मंत्रालय और सुबोध उनियाल को वन मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब अगर मंत्रिमंडल विस्तार होता है, तो नए मंत्रियों के साथ-साथ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव हो सकता है। भाजपा के लिए उत्तराखंड में मंत्रिमंडल विस्तार केवल सरकार के लिए नहीं, बल्कि आगामी चुनाव की रणनीति के लिए भी महत्वपूर्ण है। पार्टी राज्य के जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को संतुलित करने की कोशिश करेगी। इसके साथ ही, चुनावी मजबूती के लिहाज से ऐसे चेहरों को मौका दिया जा सकता है, जो पार्टी के लिए 2027 के विधान सभा चुनाव में फायदेमंद साबित हो। हालांकि अभी तक संभावित नामों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कई नामों की चर्चा जोरों पर है। क्षेत्रीय संतुलन और जातीय गणित को देखते हुए कुछ नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। दिलचस्प होगा कि मंत्रिमंडल में नए चेहरों को शामिल किया जाता है या फिर पुराने नेताओं को ही आगे बढ़ाया जाता है। अब देखना है उत्तराखंड में होने जा रहे हैं मंत्रिमंडल विस्तार में किसकी खुलती है लाटरी और किसे बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। जल्द ही सामने आ जाएगा, क्योंकि मंत्रिमंडल विस्तार का काउंटडाउन शुरू हो गया है।

**उत्तराखंड भाजपा हाईकमान ने 17 जिलों में जिला अध्यक्ष घोषित किए**

उत्तराखंड कैबिनेट विस्तार से पहले पिछले दिनों हाईकमान ने महानगर अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष घोषित किए हैं। बीजेपी ने 17 जिलों में भारतीय जनता पार्टी ने नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। पार्टी द्वारा जारी की गई इस लिस्ट में ज्यादातर नाम नए हैं। वहीं कुछ महत्वपूर्ण जिलों में पुराने चेहरे को ही रिपीट किया गया है। राष्ट्रीय पर्यवेक्षक ने जिलध्यक्षों के नामों को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ चर्चा की थी। इसके बाद इनकी सूची को केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा गया था। केंद्रीय स्तर पर हरी झंडी दिखाए जाने के बाद राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष, राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम व क्षेत्रीय सांसदों से चर्चा के बाद जिलाध्यक्षों की फाइनल सूची पर मुहर लगाई। बीजेपी प्रदेश नेतृत्व द्वारा जारी सूची के अनुसार, देहरादून महानगर से सिद्धार्थ अग्रवाल, देहरादून ग्रामीण से मीता सिंह, नैनीताल से प्रताप सिंह बिष्ट, चंपावत से गोविंद सावंत, ऋषिकेश से राजेंद्र तड़ियाल और कोटद्वार से राजगौरव नोटियाल को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, उत्तरकाशी में नागेंद्र चौहान, पिथौरागढ़ में गिरीश जोशी, अल्मोड़ा में महेश नयाल, बागेश्वर में प्रभा गड़िया, टिहरी में उदय रावत, पौड़ी में कमल किशोर रावत, रुद्रप्रयाग में भारत भूषण भट्ट, चमोली में गजपाल बर्तवाल, रुद्रपुर में कमल जिंदल को अध्यक्ष बनाया गया है। हरिद्वार जिले में आशुतोष शर्मा को भाजपा का नया जिला अध्यक्ष घोषित किया गया है, जबकि रुड़की में डॉ. मधु, काशीपुर में मनोज पाल और रानीखेत के लिए अभी नाम तय नहीं किया गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार, संगठनात्मक बदलाव का मुख्य उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और आगामी चुनावों की तैयारी को धार देना है। उन्होंने कहा कि नए जिला अध्यक्षों को क्षेत्रीय समीकरणों, पार्टी कार्यकर्ताओं के मनोबल और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखते हुए चुना गया है।

# देशभर में धूमधाम के साथ मनाया गया रंगों का पर्व

**पूरे देश भर में धूमधाम के साथ होली खेली गई। गांव से लेकर छोटे बड़े सभी शहरों में देशवासी होली के रंग में सराबोर और रहे। दूसरे दिन शनिवार को भी कई राज्यों में होली मनाई गई। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के साथ उत्तराखंड में होली खेली गई। देवभूमि में पर्वतीय होली पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। मथुरा, वाराणसी और प्रयागराज में दो दिनों तक होली की धूम दिखाई दी। उत्तराखंड में होली का पर्व अलग ही रूप में मनाया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ लोक कलाकारों और स्कूली बच्चों द्वारा झांकियां प्रस्तुत की। कहीं कुमाऊनी तो कहीं गढ़वाली होली की धूम रहती है। रंग बिरंगी गुलाल और फूलों की होली में राजनेता से लेकर अधिकारी खूब झूम के नजर आए। पिछले दो दिनों से कई संगठनों द्वारा होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिनमें लोक कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। मुख्यमंत्री आवास पर भी जमकर होली खोली गई। इस दौरान सीएम धामी का भी अलग अंदाज देखने को मिला।**

पूरे देश भर में शुक्रवार को धूमधाम के साथ होली का त्योहार मनाया गया। गांव से लेकर छोटे बड़े सभी शहरों में लोगों ने खूब जमकर होली खेली। हर कोई होली के रंग में सराबोर दिखाई दिया। होली का पर्व बसंत ऋतु के आगमन के साथ शुरू होता है और यह प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है। शुक्रवार को मुंबई, दिल्ली, मथुरा, अयोध्या, देहरादून, लखनऊ, आगरा, पटना, जयपुर, भोपाल, इंदौर, अहमदाबाद, शिमला और बेंगलुरु से लेकर आदि शहरों में रंगों का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया। देश में दूसरे दिन शनिवार को भी कई राज्यों में होली मनाई गई। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के साथ उत्तराखंड में होली खेली गई। देवभूमि में पर्वतीय होली पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। मथुरा, वाराणसी और प्रयागराज में दो दिनों तक होली की धूम दिखाई दी। ब्रज में होली का उत्सव 40 दिनों तक चलता है। बसंत पंचमी से इसकी शुरुआत होती है। भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई बलदाऊ जी की नगरी मे विश्व प्रसिद्ध हुरंगा खेला गया। होली के दूसरे दिन बलदेव मे हुरंगा खेला जाता है। महिलाएं पुरुषों के साथ होली खेलती हैं। पुरुषों के कपड़े फाड़ कर उसका कोड़ा बनाकर मारती है। पुरुष महिला के ऊपर टेसू से बने हुए रंग डालते हैं। इसे कोड़ा मार होली भी बोलते हैं, हजार की संख्या मे लोग यहां होली देखने के लिए पहुंचते हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ फिल्मी सितारों और खिलाड़ी भी होली के रंग में रंगे नजर आए। सुबह से ही लोगों ने एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाए। इसके साथ ही एक-दूसरे को बधाई और मिठाइयां देकर इस उत्सव का आनंद लिया। होली के मौके पर घरों में पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाया गया। अयोध्या में रामलला ने हाथों में धनुष की जगह पिचकारी धारण की। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पुजारियों ने बाबा महाकाल और नंदी को गुलाल लगाया। पश्चिम बंगाल में भी उमंग देखने को मिला। यहां पर लोगों ने डोलजात्रा धूमधाम से मनाया। इसके साथ लोगों ने यहां पर लोगों ने डोलजात्रा मनाई। वहीं ओडिशा के पुरी में सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने राधा-कृष्ण की तस्वीर के साथ होली का सैंड आर्ट बनाया। होली के दिन ही इस्लामी महीने रमजान के दूसरे शुक्रवार की नमाज भी पढ़ी गई। इसको देखते हुए देश के कई राज्यों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखने को मिला। 61 साल बाद हिंदू और मुस्लिम धर्म के दो अहम त्योहार साथ थे, लेकिन देशवासियों ने सांप्रदायिक सद्भावना की मिशाल पेश करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से त्योहारों का आनंद लिया। उत्तर प्रदेश के संभल में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे। संभल में 24 नवंबर को मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद दंगे भड़कने के बाद से तनाव है। इस कारण यहां पर प्रशासन ने अधिक सतर्कता बरती। कड़ी सुरक्षा के बीच उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। होली के अवसर पर संभल शहर में पारंपरिक 'चौपाई का जुलूस' भी निकाला गया। मस्जिद में दोपहर 2:30 बजे जुमे की नमाज अदा की गई। पुलिस और जिला प्रशासन ने तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की थी। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की बटालियनों ने शहर में फ्लैग मार्च किया। तमिलनाडु के सलेम

# मुख्यमंत्री आवास पर सीएम धामी ने मंत्रियों और विधायकों के साथ खेली होली

उत्तराखंड में हर तरफ होली की धूम रही। राजधानी देहरादून में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए। राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में होली गीतों की धूम रही और खूब फूलों की होली खेली गई। उत्तराखंड में होली का पर्व अलग ही रूप में मनाया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ लोक कलाकारों और स्कूली बच्चों द्वारा झांकियां प्रस्तुत की। कहीं कुमाऊनी तो कहीं गढ़वाली होली की धूम रहती है। रंग बिरंगी गुलाल और फूलों की होली में राजनेता से लेकर अधिकारी खूब झूम के नजर आए। पिछले दो दिनों से कई संगठनों द्वारा होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिनमें लोक कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। मुख्यमंत्री आवास पर भी जमकर होली खोली गई। इस दौरान सीएम धामी का भी अलग अंदाज देखने को मिला। ढोल गले में लटका सीएम धामी ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के साथ खूब नाचे। कार्यक्रम में मंत्रीगणों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य लोगों ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उत्तराखण्ड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के विविध रंग दिखाई दिए। गढ़वाल, कुमाऊं, जौनसार, थारू सहित विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों ने अपनी-अपनी परंपराओं के अनुसार मनाई जाने वाली होली का प्रदर्शन किया। पारंपरिक होली गायन, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने और उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे होली के इस पावन पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं और समाज में प्रेम, भाईचारे एवं शांति का संदेश दें। कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों ने मुख्यमंत्री के साथ मिलकर रंग-गुलाल खेला और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। सीएम धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री व महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी के आवास पर भी पहुंचकर उन्हें होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं राजभवन में भी बुधवार को हर्षोल्लास के साथ होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी को होली की बधाई देते हुए मिठाइयां भी वितरित कीं।

शहर में उत्तर भारतीय समुदाय के लोगों ने होली का त्योहार उत्साह और खुशी के साथ मनाया। यह रंगों का त्योहार खास तौर पर उन इलाकों में देखा गया, जहां उत्तर भारतीयों की संख्या ज्यादा है, जैसे नारायण नगर, देवेंथिरापुरम और वीरप्पन नगर। इस मौके पर लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर होली की मस्ती में डूब गए। होली का त्योहार हर साल की तरह इस बार भी सलेम में धूमधाम से मनाया गया।

### उत्तराखंड सरकार ने पर्वतीय होली के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया

उत्तराखंड में भी कई स्थानों पर दूसरे दिन भी होली की धूम रही। शनिवार को होली का माहौल दिखाई दिया। उत्तराखंड के कुछ इलाकों में 14 तो कुछ में 15 मार्च को होली का पर्व मनाया गया। हर ओर गुलाल उड़ा। ढोल-दमाऊ की थाप पर होल्यार झूमे। शुक्रवार को मौसम साफ रहने के बाद शनिवार को उत्तराखंड के लगभग सभी इलाकों में मौसम बदल गया। अधिकतर इलाकों में बादल छाए रहे। वहीं पहाड़ी इलाकों में तेज हवाओं संग बूंदाबांदी भी हुई। केदारनाथ, बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब, औली सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई है। जिससे तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की गई है। वहीं उत्तराखंड सरकार ने पर्वतीय होली के अवसर पर 15 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। यह अवकाश राज्य के सभी सरकारी/अशासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों/विद्यालयों में लागू होगा। यह निर्णय प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक पर्वतीय होली के महत्व को दर्शाता है। पर्वतीय होली उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों में मनाया जाने वाला एक विशेष लोक उत्सव है जो रंगों और संगीत के साथ मनाया जाता है। पर्वतीय होली उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों में मनाया जाने वाला एक विशेष लोक उत्सव है, जो रंगों और संगीत के साथ मनाया जाता है। यह होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि संस्कृति, संगीत, भक्ति और सामूहिक उल्लास का भी प्रतीक है। अन्य क्षेत्रों में होली जहां मुख्य रूप से रंग खेलने और होलिका दहन से जुड़ी होती है, वहीं उत्तराखंड की पर्वतीय होली गायन और संगीत पर आधारित होती है। इस दौरान शास्त्रीय रागों में होली गीत गाए जाते हैं, जो पूरे वातावरण को भक्तिमय और आनंदमय बना देते हैं। उत्तराखंड की पर्वतीय होली सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है। यह होली उत्तर भारत में मनाई जाने वाली अन्य होलियों से अलग है क्योंकि इसमें शास्त्रीय संगीत, भक्ति और सामूहिक सहभागिता का विशेष योगदान होता है। यह पर्व समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश देता है। उत्तराखंड सरकार द्वारा पर्वतीय होली के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाना, इस अनूठी परंपरा को सम्मान देने और आने वाली पीढ़ियों तक इसे संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

## होली के रंग मुख्यमंत्री के संग

# प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन
पारंपरिक होली मिलन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने
तथा आपसी एकता का प्रतीक है। होली का पर्व हमारे समाज
मुख्यमंत्री ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि
भी संचार करता है। यह पर्व हमें आपसी भेदभाव भुलाकर एक
बैठकी और खड़ी होली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की

## होली के रंग मुख्यमंत्री के संग

# है होली का पर्व- मुख्यमंत्री

एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा के सरकारी आवास पर आयोजित सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली पर्व प्रेम, सौहार्द में सांस्कृतिक एकता और समरसता को भी सुदृढ़ करता है। ह सामाजिक मेलजोल को प्रगाढ़ करने और सकारात्मक ऊर्जा का ता के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देता है। उत्तराखंड की पारंपरिक प्रतीक हैं, जो समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश देता हैं।

होली के रंग
मुख्यमंत्री के संग

# नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाएं

ललित गर्ग

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, 'नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस' मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है। इस दिवस की शुरुआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गई।

नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक ख़तरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

# उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय पर लगे आरोप निराधारः ओंकार सिंह

## वित्तीय अनियमितता का कोई प्रमाण सामने नहीं आया, विश्वविद्यालय को जानबूझकर बदनाम करने की साजिश

**विश्वविद्यालय के कैंपस और संबद्ध संस्थानों में छात्रों के नामांकन का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। लगभग 26000 विद्यार्थी अध्ययनरत।**

उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ ओंकार सिंह ने कहा कि विगत कुछ समय से विश्वविद्यालय में सत्रा 2022-23 से विश्वविद्यालय की प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता, गुणवत्ता, समयबद्धता के साथ जिम्मेदारी तय करने के प्रयासों के अन्तर्गत किये गये एंड टु एंड डीजीटलाइजेशन की व्यवस्था के बारे में दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा समस्त गतिविधियां गुड एकेडमिक गवर्नेंस के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अधिनियम में दी गयी शक्तियों की प्राधिकारितानुसार राज्य सरकार द्वारा निर्धारित व्यवस्था का अक्षरशः अनुपालन करके संचालित की जा रही हैं। इसमें किसी भी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं की गयी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के डिजिटलीकरण प्रक्रिया में तैयार किया गया पोर्टल समग्रता से वेबसाइट, मोबाइल ऐप के साथ प्रवेश से दीक्षान्त तक की समस्त शैक्षणिक गतिविधियों के साथ सम्बद्धता, वित्तीय प्रबन्धन, प्रशासनिक कार्यों आदि के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। इसके अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम से प्रदेश भर की सम्बद्ध/परिसर संस्थानों में शैक्षणिक अनुशासन स्थापित करने में सहायता मिली है, तथा न्यूनतम उपस्थिति हेतु छात्रों को कक्षाओं में लाने में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुयी है, और अभिभावकों को भी उपस्थिति का विवरण रियल टाइम आधार पर ऑनलाइन देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इसी पोर्टल के माध्यम से ऑन स्क्रीन डिजिटल मूल्यांकन कर प्रत्येक छात्रा को ईमेल से सूचना देते हुये मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन परीक्षाफल निर्माण से पूर्व सफलापूर्वक विगत दो सत्रों से कराया जा रहा है। इसी पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय में ऑनलाइन काउंसिलिंग कर प्रवेश की सम्पूर्ण प्रक्रिया को एकल खिडकी आधारित किया गया है और यथा आवश्यक चरणों में नियमित काउंसिलिंग/स्पॉट काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश नियमित किये जा सके है। डिजिटलीकरण की इस प्रक्रिया से ही स्कॉलर एट ग्लांस की सुविधा जिससे छात्रा विश्वविद्यालय में अपनी अद्यतन शैक्षणिक यात्राा का विवरण प्राप्त कर सकते है, उपलब्ध हो सकी है। समग्रता से तैयार विश्वविद्यालय के पास इस पोर्टल के क्रियान्वयन से पूर्व कोई एकीकृत डिजिटल प्रणाली नही थी। वर्तमान में विश्वविद्यालय की सम्बद्धता की प्रक्रियाओं यथा एप्लीकेशन, इंस्पेक्शन आदि को भी इसी पोर्टल से संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में प्रश्न पत्रों का गोपनीय प्रेषण भी इसी पोर्टल के माध्यम से किये जाने से प्रश्न पत्रों के लीक होने जैसी समस्याओं से निबटा जा सका है। विश्वविद्यालय द्वारा एंड टु एंड डीजीटलाइजेशन किये जाने से वर्ष 2022-23 से पूर्व में किये जा रहे प्रवेश काउंसिलिंग, प्रश्न पत्रा मुद्रण, मार्कशीट, टेबुलेशन, रजिस्टर प्रिंटिंग, डिग्री प्रिंटिंग, मूल्यांकन केन्द्र व्यय, मूल्यांकनकर्ता के टी0ए0/डी0ए0 आदि के पृथक-पृथक हो रहे व्यय के अनुरूप ही वर्तमान में समग्रता से उक्त के साथ-साथ उत्तर पुस्तिका के अवलोकन आदि अत्यधिक सुविधाओं को सभी हितधारकों के व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से एक ही पोर्टल पर उपलब्ध कराया जा रहा है जो कि इस स्वरूप में वर्तमान में समर्थ पोर्टल पर नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा अपनी प्रतिक्रियाओं को डिजिटलीकरण कर सम्पूर्ण तंत्रा को छात्रा हित में पूर्ण पारदर्शिता के साथ दक्ष एवं जवाबदेही बनाने का कार्य किया गया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय तंत्रा को सुदृढ़ करने से शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ छात्रों की संख्या में सतत् बढ़ोतरी हो रही है, और सभी गतिविधियां शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह भी देखा जा रहा है कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा छद्म नामों से शिकायती पत्रा लिखकर कतिपय भ्रामक बातें विभिन्न स्तरों पर तथा समाचार पत्रों में एक तरफा प्रचारित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कार्यशैली में पूर्ण पारदर्शिता के लिये स्थापित की जा रही डिजिटलीकृत प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में असत्य और भ्रामक बातें समाज में प्रस्तुत करने के परिपेक्ष्य में विश्वविद्यालय की ओर से निम्न वस्तुस्थिति से अवगत कराया जा रहा है।

**1.** विश्वविद्यालय द्वारा अपनी शैक्षणिक व परीक्षा संबंधी प्रक्रियाओं को डिजिटलीकरण करने की कार्यवाही विश्वविद्यालय की शक्तियों में निहित निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए नवम्बर, 2022 से प्रारम्भ की गई थी एवं इसके अन्तर्गत यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट सिस्टम (यू.एम.एस.) पोर्टल को आवश्यकतानुसार विकसित करते हुए क्रियाशील किया गया।

**2.** शैक्षणिक सत्रा 2022-23 से यू.एम.एस. पोर्टल के अन्तर्गत छात्रों के लिए एकल खिड़की प्रवेश, पंजीकरण, छात्रा उपस्थिति मॉनीटरिंग, परीक्षा आवेदन, ऑनस्क्रीन मूल्यांकन, परीक्षाफल निर्माण व घोषणा की कार्यवाही की जा रही है।

**3.** नवम्बर, 2022 से प्रारम्भ यू.एम.एस. पोर्टल की स्थापना से पूर्व विश्वविद्यालय के पास कोई एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म नहीं था और समय-समय पर किश्तों में सॉफ्टवेयर

का उपयोग कर परीक्षाफल निर्मित किये जाते थे। जिसका डाटाबेस यू.एम.एस. को समग्रता से उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त ही परीक्षाफल निर्मित करने की प्रक्रिया निर्धारित थी। स्वाभाविक है कि पूर्व के डाटाबेसों का सम्पूर्ण स्थानान्तरण समग्रता से एक बार में नहीं हो सकता था। कतिपय छात्रों के मामलें में पूर्व का सम्पूर्ण डाटाबेस अग्रसारित नहीं हो पाने के कारण त्राुटिपूर्ण परीक्षाफल निर्मित हुआ जिसे विश्वविद्यालय द्वारा संज्ञान में लाये जाने पर तत्काल संस्थान को छात्रा स्तर से कार्यवाही करने हेतु सूचित करते हुए ठीक करने की कार्यवाही की गई है और इससे छात्रा व संबंधित संस्थान को सूचित करते हुए वांछित कार्यवाही सम्पन्न कर दी गयी है।

**4.** प्रक्रिया अन्तर्गत किसी भी त्राुटि को रोकने हेतु समस्त छात्रों की अंकतालिका और उपाधि के वितरण का दायित्व संबंधित संस्थान का भी निर्धारित है तथा संस्था को छात्रों की अंकतालिका व उपाधि वितरित करने से पूर्व प्रमाणीकृत करने के उपरान्त संस्थान निदेशक द्वारा अपना हस्ताक्षर किया जाता है। इस प्रकार यदि डिजीटल प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्राुटि होती है तो उसे संस्थान स्तर से भी अभिलेखों की जांच के बाद हस्ताक्षरोपरान्त छात्रों को निर्गत किये जाने की व्यवस्था निहित है। इस प्रकार स्पष्ट है विश्वविद्यालय द्वारा संस्थानों को प्रदत्त मार्कसीट एवं उपाधि की मान्यता हेतु संस्था के निदेशक स्तर से संस्थान में छात्रा के बावत उपलब्ध डेटाबेस से मिलान कर इन अभिलेखों के त्राुटि रहित होने की दशा में प्रमाणित किये जाने की व्यवस्था निहित की गयी है। अतः किसी भी छात्रा को मार्कसीट/उपाधि विश्वविद्यालय से संस्था के निदेशक द्वारा प्रमाणीकृत किये जाने के अभाव में सीधे निर्गत किया जाना सम्भव ही नहीं है। किसी भी छात्रा की मार्कसीट/उपाधि त्राुटिपूर्ण जारी होने का दायित्व संस्था के निदेशक द्वारा त्राुटि के साथ जारी किया जाना संस्था व छात्रा की मिलीभगत हो सकती है। जिसकी विश्वविद्यालय द्वारा जांच कराते हुए अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

**5.** दून बिजनेस स्कूल (डी.बी.एस.) के एक छात्रा, जिसका नाम इंगित करते हुए छद्म नाम से शिकायत प्रचलित की गई है, ने नवम्बर, 2022 से पूर्व के डाटाबेस में बैक पेपर न दर्शाये जाने के कारण निर्गत त्राुटिपूर्ण परीक्षाफल के परिपेक्ष्य मे तत्काल विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षाफल सुधार के उपरान्त बैक पेपर की ससमय परीक्षा दे दी थी एवं इस छात्रा के नाम को लिखते हुए किया गया प्रचार भ्रामक व असत्य है।

**6.** विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर सभी सम्बद्ध तथा परिसर संस्थाओं को यह निर्देश दिये जाते रहे हैं कि किसी भी परिस्थिति में छात्रा को विश्वविद्यालय न भेजा जाय अपितु छात्रा द्वारा प्रवेशित संस्थान के स्तर से प्रत्येक छात्रा को समस्त अभिलेखों का वितरण, त्राुटि सुधार आदि जैसी कार्यवाही की जाय। ऐसे में विश्वविद्यालय की आंतरिक व्यवस्था/प्रक्रिया में लगे कार्मिकों/ऐजेंसी को किसी भी छात्रा से सीधे संवाद करना पूर्णतया प्रतिबंधित है।

**7.** विश्वविद्यालय में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन वर्ष 2023 से ऑनस्क्रीन डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। ऑनस्क्रीन डिजीटल मूल्यांकन हेतु शिक्षकों की मूल्यांकनकर्ता के रूप में तैनाती यू.एम.एस. पोर्टल पर संस्थानों के निदेशकों के स्तर से उपलब्ध करायी गयी प्रमाणित सूची में से विषयवार की जाती है। विषयवार मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों की तैनाती परीक्षा नियंत्राक द्वारा करते हुए संबंधित शिक्षक को सीधे ईमेल द्वारा उनके पंजीकृत ईमेल पर लॉगाइन आई.डी. तथा पासवर्ड प्रेषित किये जाने की प्रक्रिया अपनायी जा रही है। साथ ही कतिपय विषयों के मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय के सम्बद्ध/परिसर संस्थाओं में मूल्यांकन हेतु शिक्षकों की अनुपलब्धता की दशा में मूल्यांकन कार्य समयान्तर्गत करने हेतु विश्वविद्यालय से बाहर के शिक्षकों को भी उनका यू.एम.एस. पोर्टल पर पंजीकरण होने के उपरान्त परीक्षा मूल्यांकन तथा विश्वविद्यालय के अन्य कार्यो हेतु तैनात किया जाता है। ऑनस्क्रीन डिजिटल मूल्यांकन में प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा पोर्टल पर पंजीकरण करते समय सरकार द्वारा जारी पहचान आधार कार्ड एवं पैन कार्ड आवश्यक रूप से दर्ज एवं अपलोड़ करने के उपरान्त ही पंजीकृत होता है। किसी भी शिक्षक का यू.एम.एस. पोर्टल पर पंजीकरण संस्थान के निदेशक द्वारा प्रमाणीकृत करने के उपरान्त ही दर्ज होना प्रावधानित है। अतः इस प्रक्रिया में सम्पूर्ण मूल्यांकन में तैनात मूल्यांनकर्ताओं का डिजिटल ट्रैक प्रत्येक उत्तर पुस्तिका के साथ गोपनीय रूप से संरक्षित रहता है।

अतः वर्तमान में प्रचलित व्यवस्था में किसी भी शिक्षक को ऑनस्क्रीन मूल्यांकन हेतु लॉगाइन आई.डी. तथा पासवर्ड पूर्णतया गोपनीय रूप से संबंधित शिक्षक की ई-मेल पर भेजे जाने के कारण इसकी गोपनीयता रखते हुए मूल्यांकन करने का दायित्व संबंधित व्यक्ति का भी होता है एवं इसका अनुपालन करते हुए परीक्षाफल निर्माण किया जा रहा है।

**8.** विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी त्राुटि को संज्ञान में लाये जाने के बाद यथा आवश्यक जांच पड़ताल के बाद सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है एवं इसमें किसी की भी संलिप्ता होने पर दडात्मक व निरोधात्मक कार्यवाही की जाती है। विश्वविद्यालय विगत 2022-23 सत्रा से परीक्षा मूल्यांकन में शत प्रतिशत पारदर्शिता के उद्देश्य से परीक्षार्थियों को मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकायें पूर्व से सूचित कर ऑनलाइन प्रदर्शित कर रहा है। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका अवलोकित कराने वाला यह एक मात्रा सम्बद्धकारी विश्वविद्यालय है। इस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा सतत् रूप से परीक्षा में सम्पूर्ण शुचिता एवं पारदर्शिता लाने के प्रयास के साथ-साथ संस्थाओं व शिक्षकों को छात्रों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण में गुणवत्ता के प्रति उत्तरदायित्व बनाने का कार्य कर रहा है।

**9.** विश्वविद्यालय द्वारा अपनी परीक्षा समिति में ऐसे सभी त्राटिपूर्ण परीक्षाफलों को निरस्त करते हुये समुचित कार्यवाही की जा रही हैं। ऐसी त्राुटियों की पुनर्रावृत्ति रोकने हेतु परीक्षा समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किये गये समस्त परीक्षाफलों को प्रथमतः प्रोविजनल रूप में तैयार कर सभी संस्थानों को इस आशय से पोर्टल के माध्यम से प्रेषित किया जायेगा कि वह इसका अपने पास उपलब्ध पूर्व के डेटाबेस से मिलान कर इसकी सत्यता प्रमाणित करें। किसी भी संस्था स्तर से प्रोविजनल परीक्षाफल की सत्यता की पुष्टि के अभाव में परीक्षाफल को अंतिम रूप से विश्वविद्यालय द्वारा जारी नहीं किया जायेगा। इस प्रकार विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे परीक्षाफल निर्माण में छात्रा के अध्ययनरत संस्था की भी परोक्ष रूप से सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी जिसके आधार पर संस्थान निदेशक द्वारा छात्रों को निर्गत की जाने वाली मार्कसीट व उपाधि के प्रमाणीकरण में सहजता होने के साथ-साथ किसी भी सम्भावित त्राुटि को समय रहते ठीक किया सकेगा। परीक्षा समिति द्वारा प्रत्येक छात्रा की अंकतालिकाओं में वर्तमान में प्रचलित व्यवस्था जिसमें वार्षिक आधार पर ही उस वर्ष के बैक पेपर का विवरण उस वर्ष की मार्कसीट में प्रदर्शित होता है को संशोधित करते हुये तद्समय तक बैक पेपर होने की दशा में बैक पेपर विवरण समग्रता से मार्कसीट में दर्शाये जाने का भी निर्णय लिया गया है।

# बीएनआई उत्तराखंड ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अपनी वार्षिक वॉकथॉन के तीसरे संस्करण का सफल आयोजन किया

8 मार्च 2025- बीएनआई (बिज़नेस नेटवर्क इंटरनेशनल) उत्तराखंड ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 5 किलोमीटर वॉकथॉन के तीसरे संस्करण का भव्य आयोजन किया। यह आयोजन महिलाओं की शक्ति, संकल्प और अटूट आत्मबल का उत्सव था। इस वर्ष का विषय 'वो चलती है, दुनिया बढ़ती है!' था, जो इस बात पर जोर देता है कि महिलाओं द्वारा उठाया गया हर कदम दुनिया को आगे बढ़ाने में सहायक होता है।

इस कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसकी शुरुआत जोश से भरे जुम्बा फिटनेस सेशन से हुई। इसके बाद, इस आयोजन को माननीय मुख्य सचिव, श्रीमती राधा रतूड़ी (IAS) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वह एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं और पूरे देश में महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं।

**महिला उद्यमियों और सामुदायिक सहयोग का सम्मान**

इस विशेष अवसर पर बीएनआई उत्तराखंड की पहली महिला, श्रीमती पारुल अग्रवाल (कार्यकारी निदेशक, बीएनआई उत्तराखंड) को सम्मानित किया गया। इसके अलावा, बीएनआई उत्तराखंड की 27 प्रमुख महिला उद्यमियों को भी इस मंच पर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में, श्रीमती रतूड़ी ने बीएनआई समुदाय की ऊर्जा और उत्साह की सराहना की और उत्तराखंड में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने में बीएनआई की भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बीएनआई केवल व्यापार नेटवर्किंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सहयोग और विकास को बढ़ावा देने वाला एक समृद्ध समुदाय भी है।

**उत्तराखंड में व्यापार वृद्धि में बीएनआई का योगदान**

बीएनआई (बिज़नेस नेटवर्क इंटरनेशनल) एक वैश्विक व्यापार नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमियों और व्यापार मालिकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है। वर्तमान में, बीएनआई उत्तराखंड में 300+ सदस्य, 07 चैप्टर और 03 शहरों– देहरादून, हरिद्वार और हल्द्वानी में कार्यरत हैं। इस नेटवर्क ने अपने सदस्यों के लिए 370+ करोड़ से अधिक का व्यापार उत्पन्न करने में सहायता की है।

**कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ और प्रायोजन सहयोग**

इस वॉकथॉन का प्रमुख प्रायोजक उत्तराखंड सरकार के उद्योग निदेशालय था। इसके अलावा, हुरला हार्डवेयर, बजरंग होम सॉल्यूशंस, जीआरईएस, संगम वैली, ज्योति डबराल, सतलुज टिम्बर्स और कई अन्य बीएनआई सदस्यों ने सामुदायिक प्रायोजकों के रूप में सहयोग प्रदान किया।

**वॉकथॉन का मार्गः**

इस वॉकथॉन की शुरुआत डाइची ग्रीन लॉन्स, 175 राजपुर रोड, व्हिस्परिंग विलोस, मसूरी डायवर्जन, देहरादून से हुई। 2.5 किलोमीटर का सफर तय करते हुए यूको बैंक राजपुर, राजपुर चौक तक गया और फिर वापस लौटकर डाइची ग्रीन लॉन्स पर समाप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के सम्मान में पदक प्रदान किए गए।

**नेतृत्व और सामुदायिक भागीदारी**

इस आयोजन का सफल नेतृत्व मुख्य आयोजन अधिकारी श्री अमित मिनोचा ने किया। उनके साथ बीएनआई इवेंट्स टीम के प्रमुख सदस्य– विकास दीवान, दीपक बक्शी, पुनीत गुप्ता, कनक भारत पराशर और अन्य बीएनआई सदस्यों ने इस वॉकथॉन के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर को और खास बनाने के लिए रेड एफएम के आरजे गौरव भी उपस्थित रहे और उन्होंने अपनी ऊर्जा से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। इसके अलावा, भारतीय नौसेना और थल सेना के अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे इस आयोजन का महत्व और अधिक बढ़ गया।

**मजबूत भविष्य की ओर एक कदम**

बीएनआई उत्तराखंड वॉकथॉन 2025 एक भव्य सफलता रही और इसने महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता और सामुदायिक विकास के प्रति बीएनआई की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। इस कार्यक्रम ने यह दर्शाया कि सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज में सार्थक परिवर्तन लाया जा सकता है।

# मुख्यमंत्री ने किया चार हेली सेवाओं का शुभारंभ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को चार हेली सेवाओं का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया है। इन सेवाओं के जरिए देहरादून से नैनीताल, बागेश्वर और मसूरी और हल्द्वानी से बागेश्वर का हवाई सम्पर्क स्थापित हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'उड़ान' योजना के अंतर्गत शुरू की जा रही इन चार हेली सेवाओं से राज्य में पर्यटन एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी। बेहतर कनेक्टिविटी से स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे। बागेश्वर नैनीताल और मसूरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। इन क्षेत्रों की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वादियाँ, हरे-भरे पहाड़, ऐतिहासिक मंदिर और समृद्ध संस्कृति देश और दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। नैनीताल अपनी मनोरम झीलों, नयना देवी शक्तिपीठ और कैंची धाम जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। सरयू और गोमती नदी के पावन संगम पर स्थित बागेश्वर का क्षेत्र, पवित्र बागनाथ मंदिर और प्रसिद्ध उत्तरायणी मेले के लिए जाना जाता है। हेली सेवा की शुरुआत से अब इन क्षेत्रों की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों का आनंद लेने वाले पर्यटक यहां और भी आसानी से पहुँच सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून से इन स्थानों पर पहुंचने में सड़क मार्ग से लगभग 8 से 10 घंटे लगते हैं, इस सेवा के प्रारंभ होने से यह यात्रा करीब 1 घंटे की हो जाएगी। इमरजेंसी की स्थिति में इन क्षेत्रों में रहने वाले हमारे लोगों को बहुत सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आम आदमी को भी हवाई यात्रा करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से उड़ान योजना प्रारंभ की थी। इस योजना ने प्रदेश में हवाई संपर्क को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जिसके अंतर्गत

**किराया विवरण**
**01 - देहरादून-नैनीताल**
**किराया- 4500 प्रति यात्री**
**देहरादून से उड़ान- सुबह 8:15,**
**दोपहर- 02:25 बजे**
**नैनीताल से उड़ान- सुबह 9:10,**
**दोपहर- 03:20 बजे**
**02 - देहरादून-बागेश्वर**
**किराया-4000 प्रति यात्री**
**देहरादून से उड़ान- सुबह 10:20,**
**दोपहर- 12:30 बजे**
**बागेश्वर से उड़ान- सुबह 11:10,**
**दोपहर- 01:20 बजे**
**03- हल्द्वानी-बागेश्वर**
**किराया- 3500 प्रति यात्री**
**हल्द्वानी से उड़ान- सुबह 08:30,**
**दोपहर- 02:45 बजे**
**बागेश्वर से उड़ान- सुबह 09:00,**
**दोपहर- 03:00 बजे**
**04 - देहरादून-मसूरी**
**किराया- 2578 प्रति यात्री**

राज्य के कई हिस्सों में हवाई पट्टियों और हेलीपोर्ट्स का विकास किया गया है। राज्य में 18 हेलीपोर्ट्स से हेली सेवाओं के संचालन की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिनमें से अब तक 12 हेलीपोर्ट्स पर सेवाएं सफलतापूर्वक प्रारंभ की जा चुकी हैं। इन हेली सेवाओं से अब तक गौचर, श्रीनगर, चिन्यालीसौड़, हल्द्वानी, मुन्स्यारी, पिथौरागढ़, पंतनगर, चंपावत और अल्मोड़ा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सफलतापूर्वक जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि हेली सेवाएं राज्य में न केवल आवागमन को सुगम बनाएंगी, बल्कि दैवीय आपदा के समय राज्य के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए भी एक जीवनरेखा के रूप में भी कार्य करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में हवाई संपर्क को और अधिक सशक्त बनाने के लिए घरेलू उड़ानों को बढ़ावा देने के साथ ही उत्तराखंड को वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार के लिए भी लगातार प्रयासरत है।

**सीएम ने यात्रियों से की वर्चुअल बातचीत**

मुख्यमंत्री ने इन हेली सेवाओं के शुभारंभ अवसर पर इनसे यात्रा करने वाले लोगों से वर्चुअल माध्यम से बातचीत भी की। सबंधित क्षेत्रों के विधायकगणों, अन्य जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने इन सेवाओं के शुभारंभ करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, श्री खजानदास, श्रीमती सविता कपूर, श्री बृज भूषण गैरोला, मेयर देहरादून श्री सौरभ थपलियाल, प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, सचिव श्री सचिन कुर्वे, गढ़वाल कमिश्नर श्री विनय शंकर पाण्डेय, मुख्य कार्यकारी अधिकारी युकाडा श्रीमती सोनिका, वर्चुअल माध्यम से विधायक श्री सुरेश गड़िया, श्रीमती पार्वती दास, श्री राम सिंह कैड़ा एवं अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

**सप्ताह में सात दिन संचालित होगी सेवा**

देहरादून से मसूरी की हेली सेवा उत्तराखंड हवाई सम्पर्क योजना के तहत संचालित की जा रही है, जबकि शेष तीन हेली सेवाएं केंद्र सरकार की क्षेत्रीय सम्पर्क योजना के तहत संचालित की जा रही हैं। देहरादून-मसूरी के बीच पांच सीटर, जबकि शेष जगहों के लिए सात सीटर हेलीकॉप्टर सेवाएं देगा। देहरादून से बागेश्वर, नैनीताल और और हल्द्वानी से बागेश्वर की हेली सेवा सप्ताह में सातों दिन दिन में दो बार संचालित होगी। जबकि मसूरी देहरादून हेली सेवा पहले माह में प्रतिदिन एक उड़ान भरेगी।

# कुमाऊं की प्रसिद्ध खड़ी होली ने मचाया धमाल

कुमाऊं की प्रसिद्ध खड़ी होली से मचाया धमाल, मसकबीन की धुन एवं ढोल-दमाऊं की थाप के बीच होलियारों ने खूब रंग जमाया, पुष्प वर्षा कर होलियारों का हुआ भव्य स्वागत, पारंपरिक परिधानों में सजे हुए थे होलियार देहरादून। आजकल कुमाऊं मण्डल के गांव गांव खड़ी होली की धूम मची हुई है। देहरादून में भी कुर्मांचली समाज के लोग खूब होली मिलन समारोह आयोजित कर रहे हैं। मंगलवार को वरिष्ठ पत्रकार भुवन उपाध्याय के देहरादून स्थित आवास में 'हमारी पहचान रंगमंच संस्था' के कलाकारों ने कुमाऊं की प्रसिद्ध खड़ी होली से खूब धमाल मचाया। मसकबीन की धुन एवं ढोल-दमाऊं की थाप के बीच होलियारों ने खूब रंग जमाया। होलियारों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत हुआ। पारंपरिक परिधानों में सजे हुए थे होलियार। 'कुमाऊं की प्रसिद्ध खड़ी होली' गाकर कुमाऊं के मंझे हुए कलाकारों ने अपनी खूबसूरत प्रस्तुति से उपस्थित जन को आह्लादित कर दिया। इस भव्य कार्यक्रम में सभी धर्मो के लोगों ने कुमाऊं की महान सांस्कृतिक विरासत का सपरिवार आनंद उठाया।

कलाकारों में बबीता शाह लोहनी, मनमोहन सिंह, पाठक जी, रेबा चौहान समेत सभी कलाकारों की शानदार प्रस्तुति से होली का ऐसा रंग जमा कि एक बार को लगा कार्यक्रम देहरादून में नहीं बल्कि कुमाऊं मण्डल के दूरस्थ गांव में हो रहा हो।

होली मिलन समारोह में कुर्मांचल सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष श्रीमान कमल रजवार जी, श्रीमान उत्तम अधिकारी जी, श्रीमान गंभीर सिंह रावत जी, श्रीमान योगेश पांडेय जी, श्रीमती सरोज पोखरियाल जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयं सेवक श्रीमान देवीदयाल जी, श्रीमान पंवार जी, श्रीमान सुभाष गुप्ता जी, श्रीमान कालूराम जी, श्रीमान सुभाष कुमार जी, श्रीमान विनोद जी, श्रीमान क्रांति जी, समेत धर्मपुर, दशमेशपुरी कालोनी, नेहरू विहार कालोनी, प्रीत विहार कालोनी, अशोका इनक्लेव, ब्राह्मणवाला, ब्रह्मपुरी, बड़ूवाला से पहुंचे गणमान्य जनों की उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लग गए।

**श्री हनुमान चालीसा कीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण**

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हनुमान चालीसा कीर्तन से हुआ। प्रभु स्मरण के उपरांत होली का भव्य आयोजन हुआ। श्री हनुमान चालीसा कीर्तन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्म जागरण गतिविधि के तहत किया गया। श्री हनुमान चालीसा कीर्तन में धर्म जागरण प्रमुख गुरु राम राय नगर श्रीमान अनुज जी, धर्म जागरण प्रमुख महानगर दक्षिण श्रीमान अनिल केशव जी, श्रीमान योगेन्द्र जी, श्रीमान भुवन उपाध्याय जी, श्रीमान सूर्यकांत जी समेत तमाम श्रद्धालुओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

# यूजेवीएन लिमिटेड में मनाया गया होली मिलन एवं सांस्कृतिक समारोह

यूजीवीएन लिमिटेड के कार्मिकों द्वारा होली के अवसर पर होली मिलन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर निगम कार्मिकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। साथ ही खेल संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर खिलाड़ियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने कहा कि भारत त्योहारों का देश है तथा यहां सभी लोग मिलजुलकर हंसी-खुशी एकता में अनेकता का संदेश देते हुए इन त्योहारों को मनाते हैं। आज के सांस्कृतिक कार्यक्रम में विवेक आत्रेय, ज्योति कोहली, गुंजन सरीन तथा आदित्य राठी आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल द्वारा उत्तराखंड पावर स्पोर्ट्स ग्रुप की भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव टीम के सदस्यों को ऑल इंडिया इलैक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के तत्वाधान में राजस्थान इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड द्वारा कोटा, राजस्थान में आयोजित की गई 46वीं ऑल इंडिया इलैक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स बोर्ड बॉडी बिल्डिंग एंड पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन से ओवरऑल तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए देश में उत्तराखंड राज्य का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले यूपीसीएल में कार्यरत रमन पटेल, कांस्य पदक प्राप्त करने वाले यूजेवीएन लिमिटेड के नरेन्द्र कश्यप के साथ ही बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पिटकुल के टीकम सिंह चौहान तथा यूजेवीएन लिमिटेड विकास भद्री शामिल थे। उल्लेखनीय है कि राज्य गठन के बाद से अब तक ऑल इंडिया पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली किसी भी व्यक्तिगत प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड पावर स्पोर्ट्स ग्रुप की यह अब तक हासिल सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। समारोह में यूजेवीएन लिमिटेड के निदेशक परियोजनाएं सुरेश चंद्र बलूनी, अधिशासी निदेशक सुधाकर बडोनी, राजीव अग्रवाल, पंकज कुलश्रेष्ठ, दिग्विजय सिंह, आशीष जैन, महाप्रबंधक विवेक आत्रेय, संजीव लोहनी, के.के. जायसवाल के साथ ही निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अधिशासी अभियंता राकेश कुमार द्वारा किया गया।

# श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय द्वारा सभी कॉलेजों हेतु निरीक्षण टीम बनाकर संबद्धता विस्तारण की कार्यवाही प्रारंभः डॉ. सुनील

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों की लंबे समय से लंबित संबद्धता विस्तारण हेतु विश्वविद्यालय की सकारात्मक पहल। निजी कॉलेज एसोसिएशन उत्तराखंड के प्रतिनिधि मंडल ने आज कॉलेज से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विश्वविद्यालय के कुलपति और कुल सचिव से वार्ता की वार्ता की जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों का संबद्धता नवीनीकरण पिछले कई वर्षों से रुका हुआ था जिसके कारण छात्रों को छात्रवृत्ति मिलने में समस्या आ रही थी अब विश्वविद्यालय द्वारा सभी कॉलेजों हेतु निरीक्षण टीम बनाकर संबद्धता विस्तारण की कार्यवाही की जा रही है जो मार्च माह में पूरी हो जाएगी और सभी कॉलेजों की 2024 -25 तक की संबद्धता के प्रकरण का समाधान हो जाएगा वार्ता में अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल और सचिव निशांत थपलियाल द्वारा तर्क रखा गया कि संबद्धता विस्तारण की करवाई समय से की जानी चाहिए जिससे छात्रों को छात्रवृत्ति का फॉर्म भरने में समस्या का सामना न करना पड़े इसके अतिरिक्त संबद्धता विस्तारण समय से न होने के कारण कॉलेजों की साख पर भी विपरीत असर पड़ता है यह भी मांग रखी गई की कॉलेजों के निरीक्षण टीम में स्थानीय सब्जेक्ट एक्सपर्ट को ही शामिल किया जाए जिससे कॉलेजों को अनावश्यक वित्तीय बोझ का सामना न करना पड़े विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुल सचिव ने बताया कि सत्र 2024 -25 तक की संबद्धता विस्तारण का कार्य मार्च माह में ही संपन्न हो जाएगा और अप्रैल माह से सत्र 2025-26 की संबद्धता हेतु कार्यवाही प्रारंभ कर दी जाएगी जिससे संबद्धता विस्तारण समय से पूरा हो सके वार्ता में b-ed कॉलेजों में इस वर्ष कम प्रवेश होने के कारण कॉलेजों को एनसीटी के नियम अनुसार अपने स्तर पर प्रवेश करने की मांग भी रखी गई जिस पर कुलपति और कुल सचिव द्वारा इस संबंध में शासन के समक्ष प्रस्ताव रखने की बात की गई वार्ता में अन्य विषयों समय से परीक्षा परीक्षा परिणाम आदि पर चर्चा की गई जिसके कारण छात्रों को समस्या का सामना करना पड़ता है माननीय कुलपति और कुल सचिव द्वारा आश्वासन दिया गया के इस संबंध में सभी व्यवस्थाएं ठीक की जा रही हैं और भविष्य में छात्रों को परीक्षा और परिणाम के संबंध में समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा उन्होंने बताया की विश्वविद्यालय में सीमित संसाधनों के बावजूद श्री देव सुमन विश्वविद्यालय सबसे ज्यादा कॉलेजों को संबद्धता देने वाला विश्वविद्यालय है और विश्वविद्यालय छात्र हितो हेतु प्रतिबद्ध है वार्ता में एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल एवं सचिव निशांत थपलियाल उपस्थित थे।

# होली के पावन पर्व व होलिका- दहन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

**डॉ. नरेश बंसल जी**
माननीय राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष भाजपा एवं सासंद राज्यसभा

भाजपा राष्ट्रीय सह-कोषाध्यक्ष व सासंद राज्यसभा डा. नरेश बंसल ने उत्तराखंड समेत सभी देशवासियो एवं विदेश मे रह रहे भारतीयो को होली के पावन पर्व व होलिका-दहन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाए दी है।

डा. नरेश बंसल ने होली पर अपने संदेश मे कहा की, 'देवभूमि उत्तराखंड समेत सभी देशवासीयो एवं विदेश मे रह रहे भारतीयो को व उनके सम्पूर्ण परिवार को इस रंग बिरंगे, हर्षोउल्लास, उमंग, प्रेम स्नेह के पर्व होली की हार्दिक बधाई व शुभकामनायें। भगवान बदरी विशाल जी व बाबा केदारनाथ जी आपके जीवन में खुशियाँ के रंग भर दें और जीवन मंगलमय करें'।

डा. नरेश बंसल ने कहा कि 'बुराई, घमंड, ईर्ष्या, असत्य पर सच्चाई की जीत के प्रतीक होलिका-दहन के पर्व की सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। डा. नरेश बंसल ने कहा कि रंगों का त्योहार होली वसंत का और समाज में सौहार्द का उत्सव होता है। मेरी कामना है कि यह उत्सव सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाने वाला हो। हर्ष और उल्लास का यह त्योहार हमारी एकता और सद्भावना के रंग को और प्रगाढ़ करे।'

डा. नरेश बंसल ने सभी से अपील की कि प्रेम, सौहार्द व भाईचारे के साथ होलीका दहन व रंगो का पर्व मनाए।

### पीएम मोदी के विजन को साकार करेगा उत्तराखण्ड

# धामी सरकार ने किया 'फिट और हेल्दी' उत्तराखण्ड का आह्वान

## 'ईट राइट इंडिया' अभियान की हुई जोरदार शुरुआत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत, सशक्त भारत के विजन को साकार करने के लिए उत्तराखण्ड सरकार आगे आई है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तराखंड सरकार ने फिट उत्तराखण्ड अभियान का आगाज कर दिया है। इस अभियान के तहत नागरिकों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वस्थ उत्तराखंड की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा संचालित 'ईट राइट इंडिया' अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इस अभियान को तेजी से लागू किया जाए। इसके लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। जन-प्रतिनिधियों के साथ ही, सभी सचिव, जिलाधिकारी, विभागध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारी इसके लिए पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करेंगे। यही नहीं बदलती जीवनशैली को देखते हुए आमजन को कम तेल, कम चीनी और कम नमक की खपत करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड शासन अभियान को सफल बनाने में जुट गया है। अभी सचिवालय परिसर, सुद्धोवाला जेल, पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी को ईट राइट कैम्पेन के तहत सर्टिफाइट किया गया है। इसके अलावा अन्य विश्वविद्यालयों, महाविद्यालय, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और जेल परिसरों को ईट राइट कैंपस और ईट राइट स्कूल प्रमाणन के लिए पात्र बनाया गया है। प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार की ओर से सभी शिक्षण संस्थानों और विभागों को इस संबंध में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

हमारी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन को साकार करने का संकल्प लिया है। ईट राइट इंडिया अभियान मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और अन्य गैर-संचारी बीमारियों की रोकथाम के लिए लोगों को स्वस्थ, सुरक्षित और संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। युवाओं, शिक्षकों, अभिभावकों और आम जनता को संतुलित और पौष्टिक भोजन के महत्व से अवगत कराया जाएगा। यह संदेश राज्य के रेस्तरां, भोजनालयों और मेस में भी प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि लोग सही पोषण के प्रति जागरूक हो सके।

## उत्तराखंड सरकार की मुहिमः महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की राह पर

### लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को मिला आत्मनिर्भर बनने का अवसर

लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को मिला स्वरोजगार का प्रशिक्षण 13 मार्च 2025: उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी 'लखपति दीदी' योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड रायपुर, जनपद देहरादून में 11 एवं 12 मार्च को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आय में वृद्धि करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 250 महिलाओं ने भाग लिया, जिन्हें पारंपरिक एपण आर्ट, आर्टिफिशियल ज्वेलरी और सॉफ्ट टॉय बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान महिलाओं ने अपने हाथों से उत्पाद तैयार किए और इस पहल की सराहना करते हुए सरकार से अनुरोध किया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को ग्राम पंचायत स्तर तक भी ले जाया जाए और उनकी अवधि बढ़ाई जाए। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर वंदना शर्मा (आईआईएफटी, मुंबई) द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने महिलाओं को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी किसी भी प्रकार की सहायता और सहयोग के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) देहरादून की पहल पर, परियोजना निदेशक (पीडी) डीआरडीए और बीडीओ रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

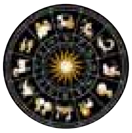
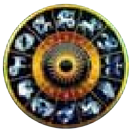
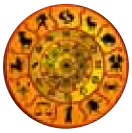

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

**मेष राशि**– घर के रखरखाव अथवा सुधार संबंधी कुछ गतिविधियां होंगी। महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर पैसा लगाना भविष्य में बहुत अधिक फायदेमंद साबित होगा। नजदीकी संबंधियों के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। परिवार के साथ बहस बाजी में न पड़ें, वर्ना संबंधों में दरार आएगी।

**वृषभ राशि**– कोई रुका हुआ आय का स्रोत पुनः शुरू हो सकता है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने से आपको खुशी मिलेगी। आपके विनम्र स्वभाव की वजह से घर और समाज में आपकी तारीफ होगी। पड़ोसियों के साथ चल रहा कोई पुराना मसला हल होगा। ध्यान रखें कि भावुकता में आकर आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय भी ले सकते हैं।

**मिथुन राशि**– आप लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। अगर किसी को धन उधार दिया हुआ है तो आज उसकी वापसी की उचित संभावना है। घर के लिए किसी खास वस्तु की शॉपिंग भी संभव है। किसी धार्मिक स्थल पर थोड़ा समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। घर अथवा व्यवसाय से संबंधित कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा।

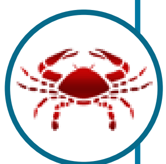

**कर्क राशि**– किसी व्यक्तिगत कार्य को लेकर बनाई गई योजना कामयाब होने वाली है। इससे आपके मनोबल और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कोई उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से चिंता दूर होगी। युवा इस बात का ध्यान रखें कि जल्दबाजी और लापरवाही की वजह से नुकसान हो सकता है, सफलता पाने के लिए भरपूर मेहनत करने की जरूरत है।

**सिंह राशि**– चारों ओर सुखद माहौल रहेगा। आप खुद को आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। घर की रखरखाव संबंधी वस्तुओं की ऑनलाइन खरीदारी भी संभव है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के प्रति पूरी तरह एकाग्र चित्त रहेंगे। दूसरों की बातों में ध्यान देने की अपेक्षा अपनी कार्य क्षमता व आत्मबल पर विश्वास रखकर आगे बढ़ें।

**कन्या राशि**– कोई शुभ समाचार मिलेगा और कोई भी निर्णय लेने में देरी न करें। मित्रों अथवा सहयोगी के साथ फोन पर ही कोई महत्वपूर्ण वार्तालाप फायदेमंद रहेगी। जमीन–जायदाद संबंधी कोई रुका हुआ मसला भी किसी की मध्यस्थता से हल हो सकता है। अपना दृष्टिकोण सकारात्मक बनाकर रखना जरूरी है, क्योंकि कोई भी विपरीत स्थिति बनने पर आप अपना आपा खो सकते हैं।

**तुला राशि**– ग्रह स्थिति बहुत ही अनुकूल है। पूरे मनोयोग से अपने कार्यों के प्रति समर्पित रहें। कोई रुका हुआ व्यक्तिगत काम आज पूरा हो सकता है। अगर कहीं पैसा फंसा हुआ है तो आज तकाजा करने पर उसकी वसूली भी संभव है। बच्चों की गतिविधियों से आप संतुष्ट रहेंगे। अभी किसी भी तरह के बदलाव की कोशिश न करें।

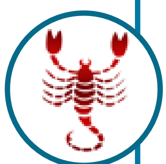

**वृश्चिक राशि**– वृश्चिक राशि के लिए ग्रह स्थिति अच्छी है। पिछले कुछ रुके हुए कार्यों पर आज अधिक समय व्यतीत करें, आज उन कार्यों के पूरे होने की उचित संभावना है। किसी नजदीकी व्यक्ति के साथ चल रही गलतफहमियां भी आपसी सामंजस्य से दूर हो जाएंगी और संबंध पुनः मधुर बनेंगे। कुछ मामलों में बहुत अधिक सचेत और सावधान रहना होगा।

**धनु राशि**– यह समय धनु राशि वालों के लिए राहत भरा रहेगा। पूर्व में जिस परेशानी से गुजर रहे थे, आज उसका समाधान मिलने की भरपूर उम्मीद है। आय की स्थिति में सुधार होगा। नजदीकी दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ भी मेल–मिलाप में अच्छा समय व्यतीत होगा। दूसरों के मामले सुलझाने के चक्कर में आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

**मकर राशि**– रिश्तों में चल रहे मनमुटाव दूर करने का उत्तम समय है, सिर्फ खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत करने की जरूरत है। विद्यार्थियों और युवाओं को किसी प्रतिस्पर्धा संबंधी क्षेत्र में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। ऊर्जा और आत्मविश्वास बनाए रखें। रूपए–पैसे के मामले में किसी पर जल्दी विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति कुछ कमजोर रहेगी।

**कुंभ राशि**– समय का उचित सदुपयोग करने से फायदे की स्थिति में रहेंगे। इसलिए अपने किसी भावी लक्ष्य को सुनियोजित ढंग से हासिल करने का प्रयास करें। अपने संपर्कों को और अधिक मजबूत कीजिए। कुछ नई जानकारियां हासिल होंगी जो कि लाभदायक रहेगी। अपनी भावनाओं पर कंट्रोल रखें। सरकारी नौकरी में किसी क्लाइंट की वजह से दिक्कत आ सकती है।

**मीन राशि**– युवाओं के अपने किसी खास मिशन को लेकर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। महिलाओं के धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। अत्यधिक जिम्मेदारियां रहेंगी, लेकिन उनसे भागने की बजाय बेहतर तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आ सकता है। जल्दबाजी और भावुकता में कोई निर्णय न लें।

# ओटीटी पर कब और कहां रिलीज होगी जॉन अब्राहम की 'द डिप्लोमैट'

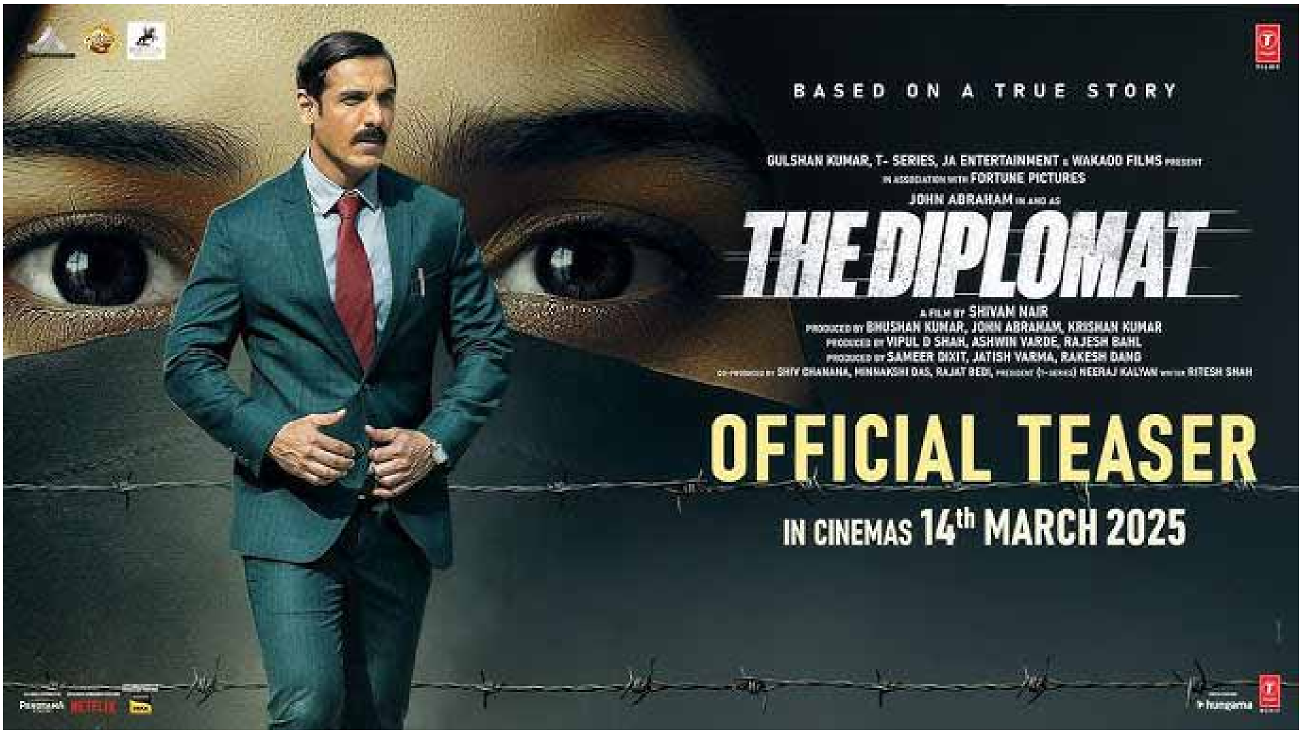


जॉन अब्राहम की फिल्म डिप्लोमैट आखिरकार होली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। समीक्षकों और दर्शकों की ओर से इसे हरी झंडी मिली है। वहीं अब थिएटर रन के बाद इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर भी कई रिपोर्ट्स सामने आई हैं। डिप्लोमैट बहुत जल्द ओटीटी पर आ जाएगी।

जॉन अब्राहम के लीड रोल वाली फिल्म द डिप्लोमैट 14 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में जॉन अब्राहम जे.पी. सिंह की भूमिका नजर आए। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी के शहर इस्लामाबाद में सेट की गई है।

वास्तविक जीवन की राजनीतिक घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह फिल्म कूटनीति और अंतरर्राष्ट्रीय संबंधों की जटिल दुनिया में उतरती है। इसके साथ ही यह उन व्यक्तिगत संघर्षों पर भी प्रकाश डालती है जिनका सामना राजनयिक अपने उच्च-दांव वाले पेशे में करते हैं। शॉर्ट में समझे तो 'द डिप्लोमैट' एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। वहीं अब फिल्म की ओटीटी रिलीज का रास्ता भी अब लगभग तय हो गया है। खबरों की मानें तो फिल्म का थिएटर रन पूरा होने के बाद फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी। हालांकि फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट और किस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी इसकी कोई ऑफिशियल जानकारी अभी सामने नहीं आई है लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक थिएटर रन के 90 दिनों बाद फिल्म ओटीटी पर आ जाएगी।

जॉन अब्राहम के अलावा फिल्म में सादिया खतीब, रेवती, कुमुद मिश्रा और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशन की कमान शिवम नायर ने संभाली है। फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। इस फिल्म की सबसे मजबूत पकड़ जॉन अब्राहम का किरदार है। मूवीज में अपनी मार-धाड़ वाली इमेज के लिए जाने जाने वाले जॉन इस फिल्म में एकदम विपरीत शांत डिप्लोमैट के किरदार में नजर आए। इसके अलावा फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट ने भी बेहतरीन काम किया है। बता दें कि इस फिल्म में जॉन अब्राहम बतौर निर्माता भी जुड़े हैं।

मद्रास कैफे और बाटला हाउस के बाद ये जॉन अब्राहम की तीसरी ऐसी फिल्म है जिसमें उन्होंने समझदारी से स्क्रिप्ट चुनने का काम किया है और किरदार को बखूबी निभाया है। बीच-बीच में फिल्म के कुछ ऐसे भी सीन्स हैं जो दर्शकों को रुला देंगे।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027

# धन्यवाद उत्तराखंड

## सफल प्रकाशन का गौरवशाली 14वाँ वर्ष

## उत्तराखंड से प्रकाशित एकमात्रा समाचार साप्ताहिक पत्रिका

# दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

मूल्यः रु 15/- मात्र

## नए कलेवर में प्रत्येक रविवार

प्रत्येक रविवार

दिव्य हिमगिरि

**संपादकीय कार्यालय :** 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
**मोबाइल :** +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com